मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु बच्चों के लिए संदेश

MUMPS (कनफेड)

- रोग का फैलाव– MUMPS (कनफेड) रोग संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या लार (Saliva) के सीधे संपर्क में आने से फैलता है।
- लक्षण– सामान्यतः इस रोग में बुखार, एक या दोनों Parotid Gland (लार ग्रंथी) में दर्द व सूजन आना, मांसपेशियों में दर्द, सरदर्द व भूख नहीं लगने के लक्षण पाये जाते है किन्तु रोग की जटिलता होने पर अंडकोष, स्तन, मस्तिष्क, अंडाशय, अग्न्याशय, रीढ की हड्डी के ऊतक में सूजन हो सकती है एवं दुर्लभ (Rare) स्थिति में बहरापन भी हो सकता है।
- बचाव–
  - लक्षणों वाले संभावित रोगी से दूरी बनाना।
  - लक्षणों वाले रोगी को खांसते/छींकते समय नाक व मुंह पर रूमाल/टिश्यू रखना अथवा खांसते/छींकते समय मुंह को बाजू पर रखना चाहिये।

डेंगू व मलेरिया

- रोग का फैलाव– संक्रमित मच्छर के काटने से डेंगू व मलेरिया रोग होता है।
- लक्षण

डेंगू :–

- अचानक तेज सिर दर्द व बुखार।
- मांसपेशियों व जोड़ो में दर्द,
- आंखों के पीछे दर्द जो आंखो को घुमाने से बढता है।
- जी मिचलाना व उल्टी होना।
- गम्भीर मामलों में नाक, मुंह व मसूडो से खून आना अथवा त्वचा पर चकत्ते उभरना।

मलेरिया–

- सर्दी व कंपन के साथ बुखार आना।
- तेज बुखार व सर दर्द होना।
- बुखार उतरते समय बदन का पसीना–पसीना होना।

- बचाव
  - ऐसे कपडें पहनें जो बदन को पूरी तरह ढंके।
  - मच्छर रोधी जालीदार खिड़की व दरवाजे का उपयोग कर मच्छर से बचे।
  - सोते समय मच्छरदानी या मच्छर रोधी क्रीम/कॉयल का उपयोग करें।
  - मच्छर पैदा नहीं हो इसलिए :–
    - पानी के सभी पात्रों को पूरी तरह ढ़कंकर रखें एवं सप्ताह में एक बार आवश्यक रूप से पात्र को खाली कर व सुखाकर ही पानी भरे।
    - घर में टूटे बर्तनों, टायरों, आदि कबाड में पानी जमा न होने दें।
    - पशु व पक्षियों के पानी के बर्तन व फूलदान प्रति सप्ताह खाली कर पुनः भरे।

बच्चे उक्त संदेश की पालना घरों पर अपने अभिभावको/माता–पिता की जानकारी एवं मार्गदर्शन में करे एवं उक्त बीमारियों के लक्षण होने पर नजदीकी औषधालय/चिकित्सालय में समय रहते परामर्श एवं उपचार लेवे।

निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं
राजस्थान, जयपुर

निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं
राजस्थान, जयपुर